हिन्दी साहित्य

GE-4

शास्त्री द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सत्रार्द्ध

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

लिखित परीक्षा- 60 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन-40 अंक

पूर्णांक-100 अंक

प्रश्न-पत्र- भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना

कुल-4 क्रेडिट

2 क्रेडिट

खण्ड (क)

(1)

रस- परिभाषा, महत्त्व

रस के अवयव और रस के भेद

(2)

अलंकार- परिभाषा, महत्त्व

अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, विभावना।

छंद- परिभाषा, महत्त्व

दोहा, चौपाई, छप्पय, कवित्त, सवैया, रोला, मालिनी, हरिगीतिका।

2 क्रेडिट

खण्ड (ख)

(3)

काव्य गुण- परिभाषा, महत्त्व

माधुर्य, ओज, प्रसाद

शब्द शक्ति- परिभाषा, महत्त्व

अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

10

Scanned with CamScanner

(4)

हिन्दी आलोचना- अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

प्रमुख आलोचक- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा

सहायक ग्रंथ-

1. काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र
2. भारतीय साहित्यशास्त्र- बलदेव उपाध्याय
3. रस मीमांसा-रामचन्द्र शुक्ल
4. रस सिद्धान्त-नगेन्द्र
5. काव्य के रूप- गुलाबराय
6. काव्य तत्व विमर्श- राममूर्ति त्रिपाठी
7. साहित्य सहचर- हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना- रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिंतन जगत- कृष्णदत्त पालीवाल
10. हिन्दी साहित्य कोश भाग-1 सम्पादक-धीरेन्द्र वर्मा
11. हिन्दी आलोचना: शिखरों का साक्षात्कार-रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. हिन्दी आलोचना- विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. हिन्दी आलोचना की बीसवीं शताब्दी- निर्मला जैन
14. अलंकार पारिजात- नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, (राज.)
15. साहित्य का स्वरूप- एन.सी.ई. आर.टी, नई दिल्ली।

Scanned with CamScanner